नागर विमानन मंत्रालय
भारत सरकार

सब उड़ें, सब जुड़ें

भारत का नागर विमानन सेक्टर तेजी से विकास करते हुए "सबके लिए उड़ान" के स्वप्न को साकार कर रहा है

- पिछले पांच वर्षों में हवाई यात्रियों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है
- फिर भी यात्री संतुष्टि और एयरपोर्ट क्वालिटी बेहतर हुई है
- 1100 विमानों के आर्डर सहित भारत जल्द ही विश्व के तीसरे सबसे बड़े विमानन बाजार के रूप में स्थापित होगा
- भारत भर में हवाई संपर्कों के अभूतपूर्व गति से विस्तार के कारण यात्रा, उद्योग तथा पर्यटन के अवसर खुले हैं

विकासोन्मुख व्यापक पॉलिसी फ्रेमवर्क

- जून, 2016 में पहली राष्ट्रीय नागर विमानन नीति का शुभारंभ
- राष्ट्रीय एयर कार्गो नीति जारी
- पहले से कम सीमा शुल्क, सामान क्लीयरेंस के सरलीकरण, जीरो रेट वेट के साथ मेंनटेनेंस, रिपेयर व ओवरहॉल (एमआरओ) नीति को युक्तिसंगत बनाना
- विश्व में अग्रणी ड्रोन इको–सिस्टम नीति की रूपरेखा तैयार
- नेशनल ग्रीन एविएशन पॉलिसी जारी

यात्री संतुष्टि एवं सुविधाओं में वृद्धि

- बैगेज टैग्स, अनावश्यक फार्मों और स्टेम्पिंग को समाप्त कर यात्री अनुभव को बेहतरीन बनाना
- रद्दकरण प्रभार, खोए तथा क्षतिग्रस्त सामान के लिए क्षतिपूर्ति, ओवरबुकिंग, उड़ान रद्द होने तथा विशेष आवश्यकताओं वाले यात्रियों के लिए सुविधाओं सहित यात्री अधिकारों को मजबूत करने के लिए यूनिक पैसेंजर चार्टर तैयार
- यात्री सेवा के लिए यात्रीन्मुख एप (एयर सेवा) तथा डिजीटल ट्रैवलर प्रोग्राम (डिजी यात्रा) का शुभारंभ
- फ्री वाई–फाई, चिकित्सा सेवाओं, रिटेल स्टोर्स आदि जैसी एयरपोर्ट सुविधाओं का विस्तार

एयरपोर्ट केपेसिटी में अत्यधिक वृद्धि

- कुल प्रचालनात्मक एयरपोर्टों की संख्या जो 2014 में 75 थी अब बढ़कर 100 से भी अधिक हुई
- वर्ष 2018 में नव निर्माण का शुभारंभ : नए एयरपोर्ट ऑपरेटर विनियम, बहुत अधिक संख्या में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट, वर्तमान एयरपोर्ट पर कई नए टर्मिनल, एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को मजबूत बनाने तथा स्टेट्स के साथ साझेदारी सहित बिलियन-ट्रिप एयरपोर्ट केपेसिटी तैयार करने के लिए
- अगले पांच वर्षों में एयरपोर्टों के लिए एक लाख करोड़ से भी अधिक का निवेश
- डिजी यात्रा, पूर्णतः सीसीटीवी सुरक्षा तथा ऑटोमेटेड ट्रे सिक्यूरिटी सिस्टम में बढ़ोतरी सहित कई तकनीकी पहल

उड़े देश का आम नागरिक (उड़ान)

- क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)–'उड़ान' के माध्यम से टियर 3 तथा टियर 4 स्थानों में ऐसे मार्गों के लिए हवाई कनेक्टिविटी जहां पहले उड़ान प्रचालन नहीं था
- 31 जनवरी, 2019 तक 'उड़ान' के अंतर्गत 12 लाख से अधिक यात्रियों ने यात्रा की
- 'उड़ान' के तीन चरणों में लगभग 700 क्षेत्रीय संपर्क मार्गों के लिए 190 प्रस्तावों को अनुमति
- 'उड़ान' के कारण वर्ष में एक करोड़ से अधिक सीटें उपलब्ध
- 'उड़ान' के 28 महीनों में 69 एयरपोर्ट (जहां उड़ान सेवा उपलब्ध नहीं थी), 31 हैलीपोर्टस तथा 6 वाटर ड्रोम्स आबंटित

विश्व स्तरीय विमानन सेक्टर

- एयरलाइन, एयरपोर्ट ऑपरेटर, ग्राउंड हैंडलिंग, एमआरओ तथा कार्गो उद्योग में सफल और मजबूत प्रतिस्पर्धा
- एअर इंडिया टर्नअराउंड सफल – लब्धि, भार घटक, ऑन–टाइम परफॉरमेंस, विमान उपयोग तथा प्रचालनात्मक लाभप्रदत्ता जैसे हर महत्त्वपूर्ण पैरामीटर में कार्य निष्पादन बेहतर हुआ
- तकनीक के नवीन प्रयोगों में भारत विश्व में सबसे आगे : डिजीटल ट्रेवलर प्रोग्राम (डिजी यात्रा), ग्लोबल नेवीगेशन सिस्टम (गगन), ड्रोन इको–सिस्टम (डिजीटल स्काई) और ग्राहक सेवा (एयर सेवा)
- एक नए सुरक्षा ढांचे के साथ सुरक्षा विनियमों तथा क्षमताओं में अभूतपूर्व अपग्रेड

DAVP 03101/13/0027/1819

नामुमकिन अब
मुमकिन है

www.civilaviation.gov.in

@MoCA_GoI